भारत और कैंसर

प्रलिम्सि के लयि

कैंसर, वशि्व कैंसर दविस, भारतीय चकित्सिा अनुसंधान परषिद

मेन्स के लयि

एक गंभीर रोग के रूप में कैंसर, इलाज़ और उपचार, संबंधति तथ्य

चर्चा में क्यों?

भारतीय चकित्सिा अनुसंधान परषिद (Indian Council of Medical Research-ICMR) और राष्ट्रीय रोग सूचना वज्ञिान और अनुसंधान केंद्र (National Centre for Disease Informatics and Research-NCDIR) द्वारा जारी कयि गए आंकड़ों के अनुसार,, वर्तमान प्रवृत्तयिों के लहिाज़ से वर्ष 2025 तक भारत में कैंसर के मामलों की संख्या बढ़कर 15.6 लाख होने की संभावना है, इस प्रकार वर्ष 2025 तक वर्तमान अनुमानति मामलों में तकरीबन 12 प्रतशित की वृद्धि होगी।

प्रमुख बदिु

- इस संबंध में जारी रपिोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में कैंसर के कुल मामलों में तंबाकू के कारण होने वाले कैंसर का योगदान अनुमानतः 27.1 प्रतशित हो सकता है।
    - रपिोर्ट में कहा गया है कि तंबाकू जनति कैंसर देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सबसे अधकि है।
- रपिोर्ट का अनुमान है कि वर्ष 2020 के अंत तक देश में कैंसर के कुल मामले 13.9 लाख तक पहुँच जाएंगे, अनुमान के मुताबकि वर्ष में तंबाकू जनति कैंसर से पीड़ति लोगों की संख्या 3.7 लाख से अधकि हो सकती है।
- पुरुषों में फेफड़े, मुंह, पेट और ग्रासनली (Oesophagus) के कैंसर सबसे आम कैंसर हैं, जबकि महलिाओं में स्तन कैंसर (Breast Cancers) तथा गर्भाशय ग्रीवा (Uterine Cervix) कैंसर काफी आम हैं।
- रपिोर्ट के अनुसार, देश भर की महलिाओं में स्तन कैंसर के कुल 2.0 लाख (14.8 प्रतशित) और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के कुल 0.75 लाख (5.4 प्रतशित) मामले होने का अनुमान है।
    - वहीं देश भर के पुरुषों और महलिाओं दोनों में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर (Gastrointestinal Cancer) के कुल मामले लगभग 2.7 लाख (19.7 प्रतशित) हैं।
- भारत में प्रति एक लाख पुरुषों पर कैंसर की सबसे अधकि दर (269.4) मज़िोरम के आइज़ोल (Aizawl) में पाई गई, जबकि कैंसर की सबसे कम दर (39.5) महाराष्ट्र के उस्मानाबाद और बीड ज़लि में दर्ज की गई।
- इसी तरह भारत में प्रति एक लाख महलिाओं पर कैंसर की सबसे अधकि दर (219.8) अरुणाचल प्रदेश के पपुमपारे ज़लिा (Papumpare District) में पाई गई, जबकि कैंसर की सबसे कम दर (49.4) महाराष्ट्र के उस्मानाबाद और बीड ज़लि में ही दर्ज की गई।
- तंबाकू के कसिी भी प्रकार के उपयोग से संबंधति कैंसर देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में और खासतौर पर पुरुषों में सबसे अधकि पाया गया।

कैंसर का अर्थ?

- सामान्य शब्दों में कहें तो कैंसर (Cancer) शब्द का प्रयोग कई सारी बीमारियों के एक समूह के लयि कयिा जाता है। यह शरीर में लगभग कहीं भी वकिसति हो सकता है।
- आमतौर पर, मानव कोशकिाएँ बढ़ती हैं और मानव शरीर की आवश्यकता के अनुरूप नई कोशकिाओं को बनाने के लयि वभिाजति होती हैं।
- जब कोशकिाएँ पुरानी हो जाती हैं अथवा क्षतग्रिस्त हो जाती हैं, तो वे स्वतः ही मर जाती हैं और नई कोशकिाएँ उनका स्थान ले लेती हैं।
- हालाँकि कैंसर की स्थति में यह क्रमबद्ध प्रक्रयिा बाधति हो जाती है, ऐसी स्थति में पुरानी अथवा क्षतग्रिस्त कोशकिाएँ समाप्त नहीं होती हैं, या

फिर यह भी हो सकता है कि एक नई कोशिका उस समय विकसित हो जाए जब उसकी आवश्यकता न हो।
- यही अतिरिक्त कोशिकाएँ बिना रुके विभाजित होती रहती हैं और 'ट्यूमर' (Tumors) का निर्माण कर सकती हैं।

कैंसर के प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं:

- भौतिक कारक, जैसे- पराबैंगनी और आयनकारी विकिरण के संपर्क में आने से कैंसर होने का खतरा रहता है।
- रासायनिक कारक, जैसे- एस्बेस्टस, तंबाकू के धुएँ के घटक, एफ्लाटॉक्सिन (एक खाद्य संदूषक) और आर्सेनिक युक्त जल का उपयोग कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है।
- जैविक कारक, जैसे- वायरस, बैक्टीरिया या परजीवी से संक्रमण भी कैंसर का एक प्रमुख कारण है।

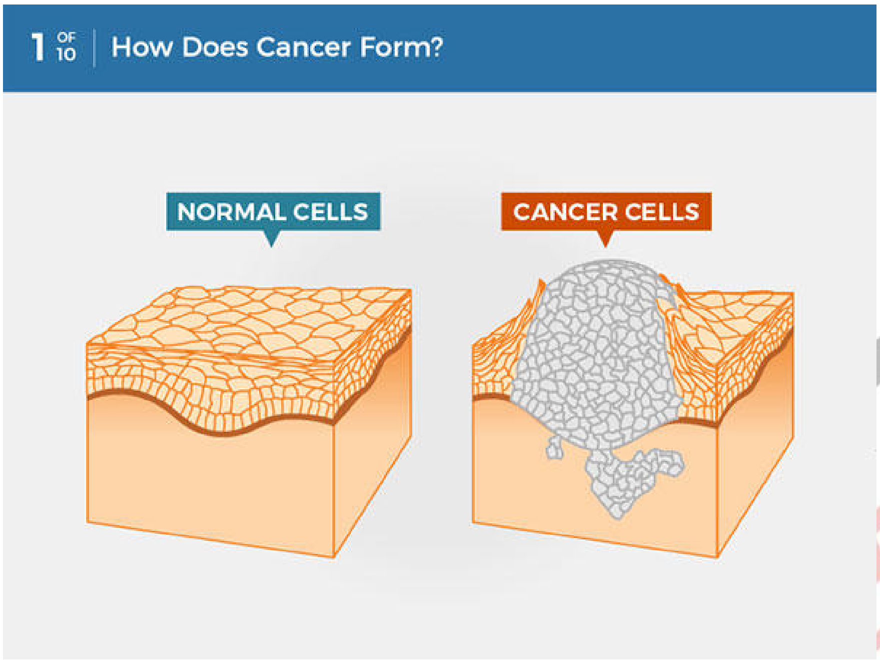

//

वर्तमान परिदृश्य

- वर्तमान समय में कैंसर की बीमारी विश्व में भयानक रूप ले चुकी है, विशेषत: भारत में यह मौत के सबसे प्रमुख कारणों में से एक है। जो आज भी चिंता का कारण बना हुआ है।
- विश्व भर में 4 फरवरी को वैश्विक कैंसर दिवस मनाया जाता है। भारत में इसकी आक्रामकता को देखते हुए और लोगों को जागरूक करने हेतु वर्ष 2014 से कैंसर को लेकर जागरूकता अभियान शुरु किया गया है। जिसके तहत हर वर्ष 7 नवंबर को देश-भर में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है।
- भारत में जितनी तेज़ी से यह बीमारी फैल रही है उस हिसाब से देश में इसके उपचार की व्यवस्था नहीं हैं। बीमारी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि इसके प्रति जागरूकता लाई जाए।
- कैंसर के संभावित लक्षणों एवं इससे बचाव के प्रति जागरूकता से कैंसर का प्राथमिक स्तर पर ही इलाज संभव हो सकता है, जिससे शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से कम हानि होगी। अगर इसका पता देर से चलता है तो उपचार मुश्किल और महंगा हो जाता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/report-predicts-12-rise-in-india-s-cancer-burden